and fertilizers. Total reduction of staff in this Cell since the middle of 1970 is 15 persons.

(c) Rs. 6,45,000 00 approximately.

पंजाबी बाग, नई दिल्ली के निकट कर्मचारी राज्य बीमा के कर्मचारियों के लिए 'शापिंग सेंटर'

1633. **श्री ईश्वर चौधरी** . क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कर्मचारी राज्य बीमा के अस्पताल के कर्मचारियों के लिए पंजाबी बाग, नई दिल्ली के निकट जो निवासी क्वार्टर बनाए गए है, वे क्वार्टर पिछले वर्ष ही अलाट कर दिए गए थे;

(ख) क्या 'शापिंग सेन्टर' के अभाव मे इन लोगो को प्रतिदिन प्रयोग मे आने वाली वस्तुएँ खरीदने मे भारी असुविधा का सामना करना पडता है, और

(ग) यदि हा, तो इसका निर्माण कब तक हो जायेगा ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने निम्नलिखित सूचना भेजी है .—

(क) कर्मचारी राज्य बीमा निगम के कर्मचारियो को पिछले वर्ष 289 क्वार्टर दिए गये और इस वर्ष 53 क्वार्टर दिए गए है ।

(ख) और (ग). बमाई दारापुर गांव मे, जो कि कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल के रिहायशी इलाको के निकट है कई एक दुकाने है, जहां से कर्मचारी बिना अधिक असुविधा के दैनिक प्रयोग की चीजे खरीदते रहे है, बाजार निर्माण का प्रश्न विचाराधीन नही है ।

बेरोजगार शिक्षित महिलाएं

1684. **श्री ईश्वर चौधरी** : क्या श्रम और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में कितनी ऐसी शिक्षित महिलाएं है जो नौकरी की इच्छुक हैं; और

(ख) उन्हें नौकरी देने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है और इसके फलस्वरूप कितनी महिलाओं को नौकरी मिल पाई है और सरकार का विचार भविष्य मे इस संबंध मे क्या कार्यवाही करने का है ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) : (क). यथार्थ जानकारी उपलब्ध नही है । उपलब्ध जानकारी काम चाहने वाली उन शिक्षित महिलाओं (मैट्रिक और इससे अधिक शिक्षा प्राप्त) के बारे मे है जो रोजगार कार्यालयों मे पजीकृत है । इनमे से सभी आवश्यक रूप से बेरोजगार नही है । 31-12-1971 को इनकी सख्या 3,28,380 थी ।

(ख) चौथी पचवर्षीय योजना मे सम्मिलित विभिन्न विकास कार्यक्रमों की कार्यान्विति के फलस्वरूप सृजित रोजगार अवसरों के अतिरिक्त वर्ष 1970-71 मे कार्यान्वित की जा रही विशेष रोजगारोन्मुख परियोजनाओं और कार्यक्रमों द्वारा अधिकाधिक सख्या मे रोजगार अवसर (शिक्षित पुरुषों एव महिलाओ दोनों के लिए) सृजित होने की आशा है ।

इन उपायो से जिन महिलाओं को रोजगार प्राप्त होगा उनकी संख्या सम्बन्धी यथार्थ आंकड़े उपलब्ध नही है ।

लघु इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए राज्यों को लाइसेंस देने का आधार

1685. **श्री एम० एस० पुरती** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज्यों को लघु इस्पात संयंत्रों को स्थापित करने के लिए लाइसेंस देने का आधार क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा इन नये संयंत्रों के सम्बन्ध मे वर्ष 1972-73 के लिए इस्पात का कितना उत्पादन लक्ष्य आंका गया है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क). विद्युत भट्टियो मे इस्पात पिण्ड/बिलेट बनाने हेतु स्क्रेप पर आधारित एककी की स्थापना के लिए औद्योगिक लाइसेंस लेने के बारे मे राज्य औद्योगिक विकास निगमों या निजी उद्यमियो से प्राप्त आवेदन पत्रो पर विचार किया जाता है जिसमे स्क्रेप की उपलब्धि तथा अन्य संगत बातो जैसे तकनीकी-आर्थिक शक्यता आदि का ध्यान रखा जाता है। राज्य औद्योगिक विकास निगमो से अभी तक प्राप्त सभी आवेदनो पर अनुकूल विचार किया गया है।

(ख) ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नही किया गया है।

राष्ट्रीयकृत कोकिंग कोयला खानों मे गैर-बिहारियों की नियुक्ति

1686. **श्री शंकर दयाल सिंह** क्या **इस्पात और खान** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोकिंग कोयला खानो के राष्ट्रीयकरण के बाद से बिहार मे बिहारियो की उपेक्षा की जा रही है और बडे पदो पर गैर-बिहारियो को नियुक्त किया जा रहा है ,

(ख) क्या बिहार सरकार ने इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार को कोई ज्ञापन भेजा है; और

(ग) कोकिंग कोयला खानों के राष्ट्रीयकरण के बाद 1,500 रुपये से अधिक वेतन वाले कितने लोगों की नियुक्तियां की गई है तथा उनमे बिहारियो और गैर-बिहारियो की पृथक-पृथक सख्या कितनी है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). जी, हां।

(ग) कोकर कोयला खानों के प्रबन्ध ग्रहण के पश्चात् कम्पनी द्वारा 1,500 रु० से अधिक वेतन वाले पद पर केवल एक ही व्यक्ति की नियुक्ति की गई है और नियुक्त किया गया व्यक्ति बिहारी है। परन्तु ग्रहीत की गई कोयला खानो के 54 अधिकारी और सरकार तथा अन्य सगठनो से प्रतिनियुक्ति पर 11 अधिकारीगण भी 1,500/- रु० अथवा उससे अधिक वेतन प्राप्त कर रहे है। भारत कोकर कोयले के चार क्रियाशील निदेशको मे से दो बिहारी और दो गैर-बिहारी है। 1,500/- रु० से अधिक वेतन पाने वाले कुल 70 अधिकारियो मे से 16 अधिकारी बिहारी और अन्य अधिकारीगण गैर-बिहारी है।

विदेशो के साथ होने वाली संधियो में प्रयुक्त भाषाएं

1687. **श्री शकर दयाल सिंह** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशो के साथ जो सधिया होती है उनकी भाषा कौन सी होती है;

(ख) क्या सरकारी निर्णय के अनुसार सभी सधियां हिन्दी मे भी की जाती है, और

(ग) शिमला शिखर सम्मेलन म सधि-पत्र किन-किन भाषाओं मे तैयार किए गए थे और दोनो देशो के प्रतिनिधियो ने किन-किन भाषाओं मे हस्ताक्षर किए।

विदेश मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) सधियो पर प्रायः अग्रेजी, हिन्दी और दूसरे पक्ष की भाषा मे हस्ताक्षर किए जाते है।

(ख) संधि हिन्दी मे भी सम्पन्न की जाती है बशर्ते दूसरा पक्ष अंग्रेजी भाषा मे पाठ तैयार करने के अतिरिक्त उस पर अपनी भाषा मे हस्ताक्षर करना चाहता है।

(ग) शिमला समझौता सिर्फ अंग्रेजी मे ही तैयार किया गया था। भारत की प्रधान मत्री ने इस पर हिन्दी और अंग्रेजी मे हस्ताक्षर किए थे और राष्ट्रपति भुट्टो ने सिर्फ अंग्रेजी मे ही हस्ताक्षर किए।